चुक्क् 10. *P.* (व्यसने *K.* आर्त्तौ *V.*; e चक्क् attenuato अ in उ) i. q. चक्क् et चिक्क्, quae tres radices eandem inter se habent rationem, quam gothicae formae, ut *band* ligavi, *bundum* ligavimus, *binda* ligo.

चुक्कार *m.* (e चुक् et कार faciens, v. चीत्कार) leonis rugitus.

चुचुक *m. n.* (e चूष् bibere?) papilla. (Hib. *cioch* mamma.)

1. **चुट्** 1. *P.* (अल्पीभावे *K.* तुच्छने *V.*) parvum, debilem esse; *cf.* चुट्ट्, चुण्ट्.

2. **चुट्** 6. 10. *P.* चुटामि, चोटयामि. *i. q.* चट्, unde चुट् attenuato अ in उ.

चुट्ट् 10. *P.* चुट्टयामि. *i. q.* 1. चुट्; cf. चुण्ट्.

चुड्ड् 1. *P.* (हावकरणे *K.*) i. q. 2. चल्, चिल्ल् et चुल्ल्; *respiciatur, lingualem* ड् *fere ut* ऌ *pronunciari,* ऌ *autem facile in* ल् *converti.*

चुण् 6. *P.* (छेदे *K.* छिदि *V.*; mutilatum esse videtur e चुण्ट् vel चुण्ड्) findere. (Hib. *guinim* «I wound, prick, sting», *guinneach* «sharp-pointed», *gun-ta* «wounded».)

1. **चुण्ट्** 1. *P.* चुण्टामि (e चुट् insertâ nasali; scribitur चुट्, v. gr. 110[a].) *i. q.* 1. चुट्.

2. **चुण्ट्** 10. *P.* चुण्टयामि. *i. q.* चट् et 2. चुट्.

1. **चुण्ड्** 1. *P.* (अल्पीभावे *K.* तैक्ष्ण्ये *V.*; scribitur चुड्, gr. 110[a].) i. q. 1. चुट् et 1. चुण्ट्.

2. **चुण्ड्** 1. 10. *P.* (छेदने *K.* छिदि *V.*, scribitur चुड्, v. gr. 110[a].) *i. q.* चट्, 2. चुट् et 2. चुण्ट्.

चुत् 1. *P.* (आसेचने *K.* क्षरे *V.*) stillare, fundere, effundere. (Cf. च्युत्, goth. *GUT - giuta, gaut, gutum* - pro quo e generali consonantium permutandarum lege *HUTH* exspectaveris, gr. comp. 87.; gr. ΧΥ, χεύω, χύ-σις, abjectâ litterâ finali et mutatâ tenui in aspiratam.)

चुद् 10. *P.* 1) mittere, impellere, incitare, stimulare. In. 5. 2.: शरैर् मन्मथचोदितैः; H. 4. 4.: चोदितै ’षा त्व् अनङ्गेन; Su. 3. 9.: पितामहम् अचोदयन्; Dr. 8. 1.: विपरिधावत इति स्म ... चोदयामास तान् नृपान्; Mah. 1. 1916.: ततस् त्वा ’हम् अचूचुदम्; A. 9. 30. - *Atm.* R. I. 11. 51.: चोदयस्व नृपर्षभान्. 2) instituere, imperare, praecipere. Man. 2. 165.: व्रतैश्च विधिचोदितैः. (Huc trahi posset lat. *cûdo* et, mutatâ gutt. in labialem, *re-pudio*; gr. σπεύδω, praefixo σ.)

c. अभि 1) *i. q. simpl.* R. I. 34. 6.: राज्ञाभिचोदितः; 15. 45.: अब्रवीत् प्रसृतम् वाक्यं राज्ञा यद् अभिचोदितम्. 2) interrogare, percunctari *de alquâ re, c. acc. rei.* Mah. 1. 2913.: ऋषिः कश्चिद् इहा ”गम्य मम जन्मा ’भ्यचोदयत्.

c. परि *i. q. simpl.* Man. 3. 233.: गुणैश्च परिचोदयेत्.

c. प्र 1) *i. q. simpl.* In. 5. 3.: मन्मथेन प्रचोदिता; Dr. 8. 6.: नाराचैर् वीरबाहुप्रचोदितैः; A. 8. 2. 2) pronunciare, proclamare. Man. 3. 228.: गुणान् सर्वान् प्रचोदयन् (Schol. कथयन्).

c. प्र praef. अभि *id.* Mah. 1. 575.: दैवेना ’भिप्रचोदितः.

c. प्र praef. सम् *id.* A. 7. 7.: ह्यास् ते सम्प्रचोदिताः.

c. सम् *id.* Sa. 2. 6.: पित्रा सञ्चोदिता.

चुन्द् 1. *P. A.* (निशाने *K.*, scribitur चुद्, gr. 110[a].) acuere.

चुप् 1. *P.* se movere (explicatur per मन्दायाङ् गतौ *K.* शनैर् गतौ *V.*; i. e. lente ire). Mah. 3. 10648. 10649.: किं स्वित् सुप्तं न निमिषति किं स्विज् जातन् न चोपति। कस्य स्विद् धृदयन् ना ’स्ति किं स्विद् वेगेन वर्द्धते ॥ मत्स्यः सुप्तो न निमिषत्य् अण्डज् जातन् न चोपति। अश्मनो हृदयन् ना ’स्ति नदी वेगेन वर्द्धते ॥. (Cf. चप् se movere, vacillare, unde चुप्, attenuato अ in उ; conferatur etiam कुप् irasci, quod a motione animi dictum esse censeo; huc trahi posset lith. *kópu* scando, nostrum *hüpfen*, angl. *to hop.*)

चुम्ब् 1. 10. *P.* (scribitur चुब्, gr. 110[a].) osculari. Hit. 27. 20.: चुम्बति पतिन् निर्दयम् आलिङ्ग्य. (Goth. *kukja* osculor, servatâ initiali tenui contra regulam, gr. comp. 87. et mutatâ finali labiali in gutturalem, positâ tenui pro mediâ, e generali lege, gr. comp. 87.; hib. *pogaim* osculor, mutatâ gutturali in labialem et vice versâ; etiam lith. *bučioju* id. transpositum esse videtur, e *čubioju*; lett. *sz-kûpstit* osculari.)